आया था । जब उन को समझाया गया कि उनके डिमाण्ड पर गौर हो रहा है तो उन की समझ में आ गया और स्ट्राइक का नोटिस विद्ड्रा हो गया ।

Shri Gidwani: When will the Union be recognized?

Shri Satish Chandra: Sir, the matter, as I said, is under consideration. The fact is that none of the office-bearers *viz.*, President, Secretary and Treasurer of the Union which has applied for recognition are not at present employees of the dockyard, and the Government has to consider that aspect.

ANTHROPOLOGICAL SURVEY IN ANDAMAN AND NICOBAR ISLANDS

*725. **Shri S. C. Samanta:** (a) Will the Minister of **Education** be pleased to state whether any anthropological survey has been carried out in the Andaman and Nicobar Islands by the Department of Anthropology before a sub-station was established at Port Blair?

(b) If so, what are the main findings of the survey?

(c) What steps have been taken to come in contact with the most hostile tribes, the Jarwas?

(d) How many and in which places have excavations already been made under the supervision of the sub-station there?

(e) Is the research work going on at the sub-station or at the headquarters?

The Deputy Minister of Natural Resources and Scientific Research (Shri K. D. Malaviya): (a) Yes.

(b) and (c). A preliminary account of these investigations has been published in January 1952 in the Bulletin of the Department of Anthropology Vol. I No. 1 copies of which are available in the Parliament Library. The results are still being worked out and will be published in the later issues of the Bulletin.

(d) Excavations were carried out only in one place in the Beehive Islands.

(e) Research work is being carried on both at the sub-station and at the headquarters.

श्री एस० सी० सामन्त : क्या मैं माननीय मंत्री जी से जान सकता हूं कि इस स्टेशन के खुलने से पहले क्या जरबा लोगों से कोई सम्पर्क स्थापित किया गया था या नहीं, और अगर किया गया था तो उसका क्या नतीजा निकला है ?

श्री के० डी० मालवीय : सन् १९४८ से प्राय: हर साल कोशिश हो रही है और डाक्टर गुहा, मित्रा, चटर्जी और सरकार के नेतृत्व में एंथ्रापालाजी विभाग से पार्टियां जाती रही हैं इन लोगों से सम्पर्क करने के लिए । अभी तक ज्यादातर सम्पर्क उंग ट्राइब के साथ हो सका है । जरबा लोगों के साथ सम्पर्क नहीं हो सका है । हम को उंग लोगों की भाषा मालूम हो गयी है तो यह आशा की जाती है कि जो दूसरा ऐक्सपिडीशन जायेगा तो हम जरबा लोगों के साथ भी सम्पर्क स्थापित कर सकेंगे ।

डा० सुरेश चन्द्र : क्या मैं जान सकता हूं कि यह जो सम्पर्क पार्टियां डिपार्टमेंट की तरफ से जाती हैं उनमें हिन्दुस्तानी लोग कितने रहते हैं और विदेशी कितने रहते हैं ।

श्री के० डी० मालवीय : मैंने अर्ज किया कि सन् १९४८ से १९५२ तक जितनी पार्टियां गयी हैं वे सब हिन्दुस्तानियों के नेतृत्व में ही गयी हैं । सन् ४८ में डाक्टर गुहा गये, सन ५० में मित्रा गये, ५१ में सरकार गये और ५२ में चटर्जी गये । सन् १९५३ में जरूर एक इटालियन लिडियो सिप्रियानी गये जो कि वहां पर के सब स्टेशन के इंचार्ज हैं ।

डा० सुरेश चन्द्र : क्या यह जो अनुशोधन हो रहा है एंथ्रापालाजी डिपार्टमेंट का उसमें और जो अनुशोधन दूसरे मुल्कों में हो रहा है उसमें कोई फर्क है, या उन में और आपकी यूनिवर्सिटियों में कोई संघर्ष है।

श्री के० डी० मालवीय : मुझे संघर्ष की कोई सूचना नहीं है।

श्री एस० सी० सामन्त : क्या मैं जान सकता हूं कि जो उंगिस लोग एंडमन छोड़ कर दूसरी जगह जाकर सैटिल हो गये हैं, वहां पर कोई ऐक्सकेवेशन का काम चल रहा है या नहीं ?

श्री के० डी० मालवीय : जी हां, एक्स केवेशन तो कुछ हुए हैं और वहां पर कुछ उंग लोगों के इस्तैमाल करने की चीजें ऐक्सकेवेशन में मिली हैं और उनके सम्बन्ध में सब स्टेशन पर और हैडक्वार्टर्स पर भी जांच पड़ताल हो रही है कुछ जरवा लोगों के भी इंस्ट्रूमेंट मिले हैं।

Prof. D. C. Sharma: May I know what makes us think that the Jarwas are the most hostile tribes? In what sense are they most hostile?

Shri K. D. Malaviya: We do not know. They are elusive. Whenever attempts are made to contact them, they escape. They have been hostile also in previous years: right from 1825 up-to-date. Whenever attempts were made—several attempts were made—they murdered the people and bloodshed occurred.

Shri N. M. Lingam: May I know the extent to which this anthropological survey has been useful in improving the socio-economic conditions of the tribes in Andamans?

Shri K. D. Malaviya: It is premature to say anything now.

Dr. Suresh Chandra: May I know whether any social survey has been undertaken by the National Sample Survey in this Island?

Shri K. D. Malaviya: Not that I know.

श्री एस० सी० सामन्त : माननीय मंत्री जी ने बताया है कि बीहाइव आइलेंड में ऐक्सकेवेशन का काम हो रहा है। क्या मैं जान सकता हूं कि यह एंडमन आइलेंड्स में शामिल हैं और क्या बीहाइव आइलेंड और लिटिल एंडमान आइलेंड में हमारे आदमी ऐक्सकेवेशन करने के लिए भेजे गये हैं ?

श्री के० डी० मालवीय : बीहाइव की तो सूचना दी है। वहां तो भेजे गये हैं। मगर दूसरी जगह की सूचना अभी में माननीय सदस्य को नहीं दे सकूंगा। मेरे पास वह है नहीं।

श्री के० सी० सोधिया : इनकी अनुमानित संख्या क्या है ?

श्री के० डी० मालवीय : नहीं मालूम।

TELEGRAPHS AND TELEPHONES IN KASHMIR

***726. Shri Nageshwar Prasad Sinha:** (a) Will the Minister of States be pleased to state whether there was a stipulation in the instrument of Accession between India and Kashmir that the Union of India would take over Kashmir State Telegraphs and Telephones with effect from the 1st June, 1953?

(b) If so, has it been taken over?

The Minister of Home Affairs and States (Dr. Katju): (a) There is no such stipulation but it is implicit in the Instrument of Accession that the telegraphs and telephones should be taken over when the arrangements are complete. No particular date was specified for the purpose.